सं0–642 / कृषि एवं कृषि विपणन / 2003

प्रेषक,

डा0पी0एस0गुसांई,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

अपर निदेशक, कृषि,
उत्तरांचल

कृषि एवं कृषि विपणन अनुभाग देहरादून : दिनांक 12 मई, 2003

विषयः– प्रदेश में जैविक कृषि को बढावा देने के सम्बन्ध मे।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश में जैविक कृषि को बढावा देने एवं कृषकों को प्रोत्साहित करने हेतु उद्यान पंडित की तर्ज पर प्रत्येक जनपद में कृषि पंडित तथा प्रदेश स्तर पर इन्ही कृषि पंडितो से प्रदेश स्तरीय जैविक कृषि पंडित नामित किया जायेगा तथा इन्हें पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसकी धनराशि उत्तरांचल कृषि विविधिकरण, मण्डी परिषद बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी।

कृपया उपरोक्तानुसार प्राथमिकता के अधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाय तथा माह अप्रैल के अन्त तक इस सम्बन्ध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर अवगत करायें।

भवदीय,

(डा0पी0एस0गुसांई)
अपर सचिव।

सं0–642(1) / कृषि एवं कृषि विपणन / 2003 तद्दिनांक

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– निदेशक, उत्तरांचल मण्डी परिषद, हल्द्वानी।
2– निदेशक, उत्तरांचल स्टेट सीड एण्ड आर्गनिक प्रोडक्शन सर्टिफिकेशन एजेन्सी, देहरादून।
3– अपर परियोजना समन्वयक, कृषि विविधीकरण, परियोजना, देहरादून।
4– मुख्य परियोजना निदेशक, जलागम प्रबन्ध परियोजना, बसन्त बिहार, देहरादून।

(डा0पी0एस0गुसांई)
अपर सचिव।